@ApniStudy.in

www.Apnistudy.in

लोक शिक्षण संचालनालय, मध्यप्रदेश

श्री शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

शैक्षणिक कैलेण्डर सत्र 2023-24

फरवरी 2024

अद्भुत मध्यप्रदेश

श्री इंदर सिंह परमार
राज्य मंत्री
स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार),
सामान्य प्रशासन, म.प्र. शासन

रविवार Sunday	सोमवार Monday	मंगलवार Tuesday	बुधवार Wednesday	गुरुवार Thursday	शुक्रवार Friday	शनिवार Saturday
	बोर्ड परीक्षा पूर्व अभ्यास का आयोजन 1. राज्य स्तर से विमर्श पोर्टल पर प्राचार्य लॉग-इन पर निम्नानुसार सामग्री उपलब्ध होगी, जिन्हें प्राचार्य डाउनलोड कर उनके विद्यायल की छात्र संख्या अनुसार कम छात्र होने पर फोटोकॉपी तथा अधिक छात्र होने पर मुद्रित करा सकेंगे। 1.1 विभिन्न विषयों के 4-4 प्रश्नपत्र 1.2 कक्षा 10वीं हेतु अभ्यास प्रश्नपत्रों के आदर्श उत्तर 1.3 कक्षा 12वीं हेतु वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के आदर्श उत्तर 2. माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा जारी ब्लू-प्रिंट के आधार पर विद्यालय स्तर पर विभिन्न विषयों के और अधिक सेट तैयार कराए जा सकते हैं। 3. जिन विषयों के प्रश्नपत्र संचालनालय स्तर से उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं, उनके 4-4 सेट विद्यालय प्राचार्य अपने स्तर पर मण्डल द्वारा जारी ब्लूप्रिंट के आधार पर आदर्श उत्तर सहित तैयार कराएँगे। 4. विद्यालय में कक्षावार विषयवार एवं छात्रवार अंकों का संधारण किया जाए तथा बोर्ड परीक्षा के पूर्व अभ्यास में समस्त विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करावें।			**1** • पालक शिक्षक संवाद • बोर्ड परीक्षा कक्षा 10वीं एवं 12वीं हेतु पूर्व अभ्यास (1 से 14 फरवरी)	**2** • विश्व नम भूमि दिवस	**3** • राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह
4 • विश्व कैंसर दिवस	**5**	**6**	**7**	**8** • स्थानीय परीक्षा प्रारंभ (कक्षा 9वीं एवं ग्यारहवीं) (दिनांक 8 से 20 फरवरी)	**9** • स्थानीय परीक्षा	**10** • राजा बख्तावर सिंह बलिदान दिवस • देशी रियासत और स्वाधीनता संग्राम पर पोस्ट प्रदर्शनी • स्थानीय परीक्षा
11	**12** • स्थानीय परीक्षा	**13** • विश्व रेडियो दिवस • स्थानीय परीक्षा	**14** • वसंत पंचमी • स्थानीय परीक्षा	**15** • स्थानीय परीक्षा	**16** • स्थानीय परीक्षा	**17** • स्थानीय परीक्षा
18	**19** • छत्रपति शिवाजी जयंती • शिवाजी महाराज के व्यक्तित्व एवं कृतित्व तथा दक्षिण भारत में एकीकरण में योगदान पर प्रदर्शनी • स्थानीय परीक्षा	**20** • विश्व सामाजिक न्याय दिवस • स्थानीय परीक्षा	**21** • विश्व मातृभाषा दिवस • सूर्यकांत त्रिपाठी निराला जयंती 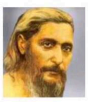	**22** • PTA/SMDC की स्थाई एजेण्डा पर बैठक • लार्ड बेडेन पॉवेल जयंती (विश्व स्काउट दिवस / थिंकिंग डे,) (विचार दिवस)	**23** • प्राचार्य द्वारा पुस्तकालय एवं प्रयोगशाला का अवलोकन कर पंजी पर टीप दर्ज करना	**24** • गुरु रविदास जयंती • कॅरियर काउंसिलिंग हेतु विशेषज्ञ व्याख्यान • स्काउट/गाइड द्वारा शाला स्तर पर किए गए कार्यक्रमों का प्रतिवेदन जिला शिक्षा कार्यालय भेजना • केन्द्रीय उत्पादन शुल्क दिवस
25	**26** • प्राचार्य द्वारा कार्यालय का अवलोकन कर पंजी में टीप दर्ज करना।	**27** आज़ादी का अमृत महोत्सव • चन्द्रशेखर आजाद शहीदी दिवस • राष्ट्रीय आंदोलन में क्रांतिकारियों की भूमिका एवं मतदान पर चित्र प्रदर्शनी का आयोजन • विश्व एनजीओ दिवस	**28** • राष्ट्रीय विज्ञान दिवस • भारत में विज्ञान की उज्जवल परम्परा पर पोस्टर प्रदर्शनी	**29**		

शैक्षिक कार्य दिवस - 24 (अधिकतम)
शासकीय अवकाश:- 24-संत रविदास जयंती
कक्षा 10वीं एवं कक्षा 12वीं हेतु परीक्षा पूर्व अभ्यास 1-14 फरवरी
कक्षा 9वीं एवं कक्षा 11वीं की स्थानीय परीक्षा 8-20 फरवरी

मध्य प्रदेश से पद्म भूषण पुरस्कार विजेता

कर्नल गुरबख्श सिंह ढिल्लों
सार्वजनिक उपक्रम-1998

शिवमंगल सिंह सुमन
साहित्य एवं शिक्षा-1999

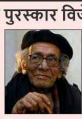

हबीब तनवीर
कला-2002

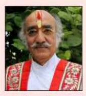

डॉ. (पंडित) गोकुलोत्सवजी महाराज
कला-2015

• कैलेण्डर में उल्लेखित महापुरुषों की जयंती / पुण्यतिथि एवं महत्वपूर्ण दिवसों के सम्बन्ध में प्रार्थना सभा में जानकारी दी जावे।

@ApniStudy.in
PDF @ApniStudy.in

www.Apnistudy.in

इकाईवार पाठ्यक्रम विभाजन माह फरवरी

विषय	कक्षा 9वीं	कक्षा 10वीं	कक्षा 11वीं	कक्षा 12वीं
हिन्दी	पुनरावृत्ति, इकाईवार अभ्यास कार्य तथा विगत वर्षों के प्रश्न पत्रों का अभ्यास	पुनरावृत्ति, इकाईवार अभ्यास कार्य तथा विगत वर्षों के प्रश्न पत्रों का अभ्यास	पुनरावृत्ति, इकाईवार अभ्यास कार्य तथा विगत वर्षों के प्रश्न पत्रों का अभ्यास	पुनरावृत्ति, इकाईवार अभ्यास कार्य तथा विगत वर्षों के प्रश्न पत्रों का अभ्यास
अंग्रेजी	Revision	Revision	Revision	Revision
संस्कृत	पुनरावृत्ति	पुनरावृत्ति		
सामाजिक विज्ञान	पुनरावृत्ति, इकाईवार अभ्यास कार्य,मानचित्र अभ्यास तथा विगत वर्षों के प्रश्न पत्रों का अभ्यास	पुनरावृत्ति, इकाईवार अभ्यास कार्य, मानचित्र अभ्यास तथा विगत वर्षों के बोर्ड प्रश्न पत्रों का अभ्यास		
विज्ञान	पुनरावृत्ति	पुनरावृत्ति,		
गणित	पुनरावृत्ति	पुनरावृत्ति		

	विषय	कक्षा 11वीं	कक्षा 12वीं
संकाय विज्ञान	जीव विज्ञान	पुनरावृति	पुनरावृति
	भौतिक विज्ञान	पुनरावृति	पुनरावृति
	रसायन विज्ञान	पुनरावृति	पुनरावृति
	गणित	पुनरावृत्ति	पुनरावृत्ति
वाणिज्य संकाय	लेखाशास्त्र	पुनरावृत्ति	पुनरावृत्ति
	व्यावसाय अध्ययन	पुनरावृत्ति	पुनरावृत्ति
	अर्थशास्त्र	पढ़ाये गये अध्यायों की इकाईवार पुनरावृत्ति, विगत वर्षों के प्रश्न पत्रों को हल कराना	पढ़ाये गये अध्यायों की इकाईवार पुनरावृत्ति,विगत वर्षों के प्रश्न पत्रों को हल कराना
	आई.पी.	पुनरावृत्ति, विगत वर्षों के प्रश्न पत्रों को हल कराना	पुनरावृत्ति, विगत वर्षों के प्रश्न पत्रों को हल कराना
	मूल्यांकन	–	–
कला संकाय	इतिहास	इकाई वार पुनरावृत्ति, अभ्यास कार्य विगत वर्षों के प्रश्न पत्रों का अभ्यास कराना	इकाई वार पुनरावृत्ति, अभ्यास कार्य विगत वर्षों के प्रश्न पत्रों का अभ्यास कराना
	भूगोल	पुन्रावृत्ति एवं मानचित्र अभ्यास कार्य ● प्रायोगिक कार्यः– अध्याय–8 मौसम यंत्र मानचित्र तथा चार्ट	पुनरावृत्ति मानचित्र का अभ्यास कार्य प्रायोगिक अभ्यास कार्य
	राजनीति विज्ञान	पढ़ाए गए अध्यायों की पुनरावृत्ति,अभ्यास,ग्रुप डिसकशन, परीक्षा की तैयारी	पढाए गए अध्यायों की पुनरावृत्ति अभ्यास,ग्रुप डिसकशन, परीक्षा की तैयारी
	समाज शास्त्र		
गृह विज्ञान संकाय	गृह प्रबंध, पोषण एवं वस्त्र विज्ञान	प्रायोगिक परीक्षा	प्रायोगिक परीक्षा एवं पुनरावृत्ति
	शरीर रचना, क्रिया विज्ञान एवं स्वास्थ्य	पुनरावृत्ति	पुनरावृत्ति
	विज्ञान के तत्व	पुनरावृत्ति	पुनरावृत्ति
कृषि संकाय	कृषि उपयोगी विज्ञान एवं गणित के मुल तत्व	पुनरावृत्ति, प्रयोगिक कार्य, प्रायोगिक परीक्षा	पुनरावृत्ति,प्रयोगिक कार्य, प्रायोगिक परीक्षा
	फसल उत्पादन एवं उद्यान शास्त्र	रिवीजन	पुनरावृत्ति प्रायोगिक परीक्षा (संभावित)
	पशुपालन, दुग्ध व्यवसाय, मुर्गी एवं मत्सय पालन	पुनरावृत्ति प्रयोगिक परीक्षा	पुनरावृत्ति प्रयोगिक परीक्षा
	कृषि	पुनरावृत्ति	पुनरावृत्ति

शिक्षक डायरी

विद्यालय में कार्यरत प्राचार्य/शिक्षक/समस्त अध्यापक संवर्ग/प्रयोगशाला/विज्ञान सहायक को प्रतिदिन डेली डायरी लिखना अनिवार्य होगा। प्रतिदिन किए गए अकादमिक/प्रशासनिक/व्यवस्था संबंधी गतिविधियों को स्पष्ट रूप से अंकित करने के लिए डायरी संधारित की जाती है। इस डायरी में प्रतिदिन लिए जा रहे कालखण्ड एवं दी गई/सौंपे गए कार्य का सम्पूर्ण उल्लेख किया जाना होगा। यदि संबंधित किसी प्रशिक्षण अथवा शासकीय कार्य से किसी अन्य संस्था/कार्यालय में जाता है, उसका उल्लेख शिक्षक डायरी में किया जावे। डायरी लिखते समय यह अपेक्षा की जाती है कि इसमें किए गए कार्य के पर्याप्त विवरण दर्ज किए जावें। जिससे संबंधित द्वारा किए गए कार्य का विवरण सम्पूर्ण रूप से स्पष्ट हो सके। प्राचार्य स्वयं भी डेली डायरी संधारित करें। प्राचार्य से यह भी अपेक्षा की जाती है कि वे माह में कम से कम एक बार प्रत्येक शिक्षक द्वारा लिए जा रहे कालखण्ड में उपस्थित होकर अवलोकन करें एवं अवलोकन टीप संबंधित शिक्षक की डायरी में दर्ज करें। शिक्षक द्वारा किए गए कार्यों का सत्यापन कर माह में कम से कम एक बार प्राचार्य द्वारा प्रत्येक शिक्षक की डायरी में अपने हस्ताक्षर किए जावें। शिक्षक डायरी का सुझावात्मक प्रारूप निम्नानुसार रहेगाः–

दिनांक –		कक्षा –		कालखण्ड		विषय–		पाठ संख्या तथा नाम	

क्रमांक	योजना	अंकन (आकलन)
1.	पाठ का केन्द्रीय विषय	
2.	पाठ के सीखने हेतु कक्षा में की जाने वाली गतिविधियाँ	
3.	पाठ के सीखने सिखाने में उपयोग की जाने वाली सामग्री	
4.	शिक्षक द्वारा दिए जाने वाली पाठ्यवस्तु का परिचय और की जाने वाली आरम्भिक गतिविधियाँ	
5.	विद्यार्थियों द्वारा पाठ का वाचन/मौन वाचन–भाषा की कक्षा में	किन विद्यार्थियों ने सक्रियता से भाग लिया/नहीं लिया
6.	समूहचर्चा एवं विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुतिकरण	किन विद्यार्थियों ने सक्रियता से भाग लिया/नहीं लिया
7.	कक्षा में किया जाने वाला लिखित/मौखिक कक्षा कार्य (क्लास वर्क)	किन विद्यार्थियों ने क्लास वर्क नहीं किया / सही नहीं किया
		क्लास वर्क की जाँच से उभरकर आई कमियाँ
		कमियों के सुधार हेतु सुधार कार्य (सुदृढ़ीकरण तथा पुनर्बलन)
8.	दिया गया गृहकार्य (होम वर्क)	किन विद्यार्थियों ने होमवर्क नहीं किया/सही नहीं किया
		होमवर्क की जाँच से उभरकर आई कमियाँ
		कमियों के सुधार हेतु सुधार कार्य (सुदृढ़ीकरण तथा पुनर्बलन)

उपर्युक्त के अतिरिक्त प्राचार्य द्वारा कैलेण्डर में निर्धारित की गई तिथियों में प्रत्येक कक्षा के विद्यार्थियों द्वारा तैयार अभ्यास पुस्तिकाएँ / होम वर्क की पुस्तिकाओं को बुलाया जाकर यह देखा जावे कि सम्बन्धित विषय शिक्षक द्वारा अभ्यास पुस्तिकाओं / होमवर्क की नियमित रूप से जाँच की जाकर त्रुटियों के सुधार हेतु कार्यवाही की गई है।

विद्यार्थी की दैनिक डायरी

राष्ट्रभाषा हिन्दी का प्रयोग विद्यार्थी बाल्यकाल से करना आरंभ करें, जिससे उन में साहित्यिक अभिरुचि के साथ–साथ भाषाई अभिव्यक्ति भी विकसित हो। प्रदेश की मातृभाषा हिन्दी होने के कारण विद्यालयीन छात्र–छात्राओं का हिन्दी लेखन व पठन सुस्पष्ट और त्रुटिरहित होना आवश्यक है। इस उद्देश्य के साथ दैनिक डायरी (Daily diary) लिखने हेतु विद्यार्थियों को प्रेरित किया जाना चाहिए।

1. विद्यार्थी भाषाई लेखन के अभ्यास के रूप में प्रतिदिन एक पृष्ठ हिन्दी भाषा में लिखें।
2. प्रत्येक विद्यार्थी अपनी दैनिक डायरी में अपने अनुभवों को सम्मिलित कर सकते हैं यथा अपने परिवार में सबसे अधिक प्रभावी पारिवारिक सदस्य के साथ बिताए अच्छे अनुभव, सहपाठियों के संग यात्रा, खेल, कलात्मक गतिविधियों के अनुभव, आस–पास घटित होने वाली घटनाएँ व कार्य, अभिभावको, शिक्षकों एवं बुजुर्गों के शिक्षाप्रद प्रेरक प्रसंग, समुदाय में परिवर्तनकारी, अच्छे लगने वाले कार्य।
3. दैनिक डायरी में विद्यार्थियों के लिखे अपने परिवार, सहपाठी और समाज के अनुभवों को साप्ताहिक रूप से कक्षा शिक्षकों द्वारा मूल्यांकित किया जाए।
4. शिक्षक विद्यार्थी की डायरी में भाषाई व्याकरण, वर्तनी आदि की त्रुटियों को गोला करके और उसमें शुद्धियाँ लगाकर अपने हस्ताक्षर अंकित करें। सुलेख के लिए भी प्रेरित करें।
5. उच्चारण शुद्धि हेतु प्रार्थना में समाचार वाचन, संस्मरण एवं कविता पाठ आदि करवाएँ।
6. हिन्दी लेखन के शुद्धिकरण हेतु लेख, सारांशीकरण, निबंध, नाटक (पटकथा लेखन व मंचन) आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन कराएँ।
7. मूल्यांकन के आधार पर सत्रांत तक सर्वश्रेष्ठ दैनिक डायरी लिखने वाले विद्यार्थियों को स्कूल प्रबंधन समिति तथा स्थानीय जन प्रतिनिधियों के समक्ष पुरस्कृत और सम्मानित करना।
8. डायरी लिखने की आदत से धीरे–धीरे साहित्य रचना का कौशल विकसित होगा और विचार प्रकिया (Thinking process) भी शिक्षक गण विकसित कर सकेंगे।

शासकीय शालाओं में अभिभावकों की भागीदारी

1. शासकीय शालाओं में अभिभावकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए अभिभावकों के साथ शिक्षकों की नियमित बैठक का आयोजन आवश्यक है। बैठक का उद्देश्य अभिभावकों को उनके बच्चों के शैक्षणिक स्तर की जानकारी प्रदान करना, शाला के अकादमिक मुद्दों से अवगत कराते हुए सुझाव प्राप्त करना तथा विद्यार्थियों को प्रेरित कर उनके शैक्षिक स्तर में सुधार हेतु अभिभावकों को जागरूक करना है।
2. अतः राज्य स्तर पर यह निर्णय लिया गया है कि सभी शासकीय शालाओं में शिक्षक–अभिभावक बैठकों का नियमित आयोजन किया जाए। बैठक की सूचना विद्यार्थियों के माध्यम से अभिभावको को भिजवाई जाएगी। बैठक में प्रत्येक अभिभावक से चर्चा की जाएगी। बैठक में विद्यार्थियों की अकादमिक प्रगति के संबंध मे निम्नानुसार बिन्दुओं पर चर्चा की जाएगीः–
   - (अ) विद्यार्थियों की अर्द्धवार्षिक परीक्षा /प्रतिभा पर्व की कापियाँ अभिभावकों को दिखाई जाएगी।
   - (ब) अर्द्धवार्षिक परीक्षा/प्रतिभा पर्व के परिणाम की जानकारी देकर विद्यार्थी को किन विषयों मे अभ्यास की आवश्यकता अधिक है, के संबंध में माता–पिता को जानकारी देना।
   - (स) विद्यार्थी की उपस्थिति से अवगत करना, यदि विद्यार्थी अनियमित है तो कारण जानना एवं अभिभावक एवं विद्यार्थी को नियमित उपस्थिति हेतु प्रेरित करना।
   - (द) विद्यार्थी की शैक्षणिक/गैर –शैक्षणिक गतिविधियों में रूचि, कक्षा में प्रश्न पूछने/उत्तर देने की तत्परता आदि के संबंध में भी पालकों को बताया जाए।
   - (इ) अभिभावकों को निदानात्मक (रेमेडियल) कक्षाओं की जानकारी देना।
   - (ई) विद्यार्थी की आदतों, व्यवहार, कक्षा में अध्ययन इत्यादि पर ध्यान देने संबंधी चर्चा करना।
   - (उ) अन्य कोई मुद्दा जिस पर शिक्षक/अभिभावक चर्चा करना चाहे।

कक्षा शिक्षक द्वारा अभिभावकों को उस विषय के शिक्षक के पास परामर्श हेतु भेजा जाएगा, जिस विषय में विद्यार्थी की दक्षता में सुधार की आवश्यकता हो। संबंधित शिक्षक द्वारा अभिभावकों को गाईड किया जाएगा कि वे अपने बच्चों की पढाई को किस तरह से मॉनिट करें। कक्षा शिक्षक द्वारा प्रत्येक बैठक का रिकार्ड रखा जाएगा। प्राचार्य/ प्रधानाध्यापक /संस्था प्रमुख भी अभिभावकों से चर्चा हेतु उपलब्ध रहेगें तथा अभिभावकों को सामुदायिक सहभागिता से विद्यालय की मॉनिटरिंग करने के लिए प्रेरित करेंगे ताकि शिक्षण व्यवस्था पर अभिभावक नजर रख सकें।

विद्यार्थियों द्वारा अपनी कॉपियों मे किए जाने वाले कार्य की शिक्षक द्वारा नियमित जाँच के संबंध में

विद्यार्थियों को अभ्यास कराने एवं कॉपियों को जॉचने के संबंध में कक्षा 1 से 12 में अध्यापन कराने वाले शिक्षको, संस्था प्रमुखों एवं अधिकारियों के दायित्व निम्नानुसार निर्धारित किए जाते है–

1. शिक्षक का दायित्वः–

- विद्यार्थियों से विषयवार कॉपी में अभ्यास कार्य हेतु कक्षा में शिक्षण के समय कक्षा कार्य और अभ्यास कार्य कराया जाए।
- विद्यार्थी द्वारा किए गए कक्षा कार्य एवं अभ्यास कार्य की जाँच शिक्षक द्वारा गंभीरता पूर्वक प्रति दिन की जाए।
- जाँच से तात्पर्य शिक्षक द्वारा सिर्फ सही अथवा गलत का निशाना लगाना नहीं है अपितु लाल पेन का उपयोग करते हुए त्रुटि को पेन से गोला लगाकर उसका सही स्वरूप यथा शब्द, अंक या सुधार के लिए टीप लिखने से है।
- यदि गणित या विज्ञान की किसी अवधारणा या प्रश्न हल करने में अपनाई गई प्रक्रिया मे त्रुटि हो तो उसे इंगित करने के लिए निर्देश अंकित करे। विद्यार्थियो को इसके अनुसार पुनः सुधार करके लिखने का कहे। इस सुधार कार्य की भी जाँच करें।
- शिक्षक, विद्यार्थियों से उनके द्वारा किए गए प्रत्येक अभ्यास एवं कक्षा कार्य पर तिथि अंकित करने की आदत विकसित कराएँ।
- शिक्षक स्वयं भी विद्यार्थियो द्वारा किए गए अभ्यास कार्य को जॉच कर अंत में हस्ताक्षर करें और उसके नीचे जाँच की तारीख अंकित करें। इससे कराए जा रहे अभ्यास कार्य जाँच कार्य और सुधार कार्य की निरंतरता पर निगरानी रखी जा सकेगी।
- शिक्षक अपनी शिक्षक डायरी में अभ्यास कराने की योजना और जाँच उपरांत विद्यार्थियों की उपलब्धि का अंकन करे। इसके आधार पर रेमेडियल टीचिंग करे।

2. प्राचार्य / प्रधानाध्यापक/संस्था प्रमुख का दायित्वः–

- बच्चों द्वारा किए गए अभ्यास कार्य तथा शिक्षक द्वारा त्रुटि सुधार सहित जाँचे गए उक्त अभिलेखों का 5 से 10 प्रतिशत अभिलेख प्रति सप्ताह रेण्डम रूप से प्रधानाध्यापक/प्राचार्य द्वारा जाँचा जाएगा। प्रधानाध्यापक/प्राचार्य द्वारा सभी शिक्षकों की शिक्षक डायरी में शिक्षक द्वारा लिखित योजना और अंकन की साप्ताहिक जाँच और समीक्षा करेंगें।

इंस्पायर अवार्ड मानक योजना के ऑन-लाइन नामांकन हेतु कार्य योजना एवं दिशा-निर्देश।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार की इंस्पायर अवार्ड मानक योजना स्कूली बच्चों में सृजनशीलता और रचनात्मक सोच की संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ-साथ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से सामाजिक जरूरतों का पूरा करने की दिशा में एक पहल है। योजनान्तर्गत विद्यार्थियों के ऐसे मौलिक विचार जो समाज की समस्याओं का समाधान कर सकें और इसके अलावा घरेलू और मजदूरों के श्रम को कम करने के उपाय तथा उनकी कार्य क्षमता को बढ़ाने के साथ साथ सेवाओं को भी आसान करने की अभिनव राह तैयार करे सकें। उन मौलिक विचारों को. भारत सरकार विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग प्रौद्योगिकी द्वारा ऑनलाईन आमंत्रित किया जाता है।

2. भारत सरकार द्वारा यह कार्यक्रम देश भर के पाँच लाख विद्यालयों के बच्चों (प्रत्येक विद्यालय से दो से तीन सर्वश्रेष्ठ विचार आईडिया) के लगभग 10 लाख नवाचारों को प्राप्त करने का लक्ष्य रखा गया है। इस योजना में मान्यता प्राप्त शासकीय निजी अनुदान प्राप्त विद्यालयों के 10 से 15 वर्ष की आयु वर्ग और 6वीं से 10वीं कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थियों के आइडियाज को शामिल किया जाना है। योजनान्तर्गत वर्ष 2022-23 के लिए समस्त विद्यालयों से ऑनलाइन नामांकन चाहे गए हैं।

3. प्राचार्य द्वारा स्कूलों में आइडिया प्रतियोगिता के जरिये बच्चों को दो से तीन मौलिक विचारों का चयन किया जाएगा, जिसका ऑनलाइन नामांकन स्कूल प्रशासन द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग-भारत सरकार के वेब पोर्टल E-MIAS (E-Management of INSPIRE Award Scheme) पर किया जायेगा।

3.1 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार और राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान भारत सरकार द्वारा एक लाख विचारों का चयन किया जाएगा। सभी विद्यार्थियों को अवार्ड की राशि पुरस्कार स्वरूप प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (Direct Benefit Transfer) योजना के जरिये सीधे उनके खातों में भेजी जाएगी।

3.2 राज्य जिला स्तर के प्राधिकारियों द्वारा जिला स्तरीय प्रदर्शनी और प्रोजेक्ट काम्पिटिशन का आयोजन किया जायेगा, जहाँ से 1 से 10 प्रोजेक्ट का चयन राज्यस्तरीय प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी के लिए किया जाएगा।

3.3 राज्य स्तरीय प्रदर्शनी और प्रोजेक्ट काम्पिटिशन के आयोजन से एक हजार प्रोजेक्ट / माडल का चयन किया जाएगा। चयनित विद्यार्थियों को प्रोटोटाइप तैयार करने के लिए 20 हजार रूपये की पुरस्कार राशि सीधे उनके खाते में भेजी जाएगी। विचारों का चयन उनकी नवीनता, व्यवहारिकता, उपयोगिता, पर्यावरण की अनूकूलता और वर्तमान में उपलब्ध तकनीकी के बेहतरी के आधार पर होगा, जिसमें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान भारत सरकार निर्णयक मंडल के सदस्य होगें।

3.4 राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान भारत सरकार, देश के विभिन्न तकनीकी संस्थानों जैसे आईआईटी, एनआईटी, आईआईएसईआर और केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के सहयोग से इन विद्यार्थियों को प्रतिकृति (प्रोटोटाइप) विकसित करने में मदद और सलाह उपलब्ध कराएगा ।

3.5 चयनित प्रतिकृति (प्रोटोटाइप) को राष्ट्रीय प्रदर्शनी में रखा जाएगा जहां से श्रेष्ठ 60 प्रतिकृति (प्रोटोटाइप) को राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चयनित किया जाएगा ।

3.6 राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान भारत सरकार, चयनित 60 प्रोटोटाइप की उपयोगिता, व्यवसायिकता की संभावनाओं की जाँच कर उससे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और रा.न.प्र भारत सरकार की अन्य योजनाओं के साथ जोड़ने का प्रयास करेगा।

3.7 चयनित 6 विशिष्ट प्रतिकृति (प्रोटोटाइप) को राष्ट्रपति भवन में आयोजित होने वाले नवप्रवर्तन
उत्सव में प्रदर्शित किया जाएगा।

4. इंस्पायर अवार्ड मानक योजना के अंतर्गत आनलाइन नामांकनः-

4.1 योजनान्तर्गत शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए जिले के सभी विद्यालयों का ऑनलाइन नामांकन भारत सरकार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की बेवसाइट पर कराएँ। सभी जिला इंस्पायर अवार्ड नोडल अधिकारी एवं सहायक नोडल अधिकारी, जिला विज्ञान अधिकारी को निर्देशित किया जाए की वे प्रदेश के ऐसे विद्यालय जो योजनान्तर्गत नामांकित नहीं है, उन्हें इंस्पायर अवार्ड हेतु ऑनलाइन नामांकित कराएँ ।

4.2 जिला इंस्पायर अवार्ड नोडल अधिकारी एवं सहायक नोडल अधिकारी द्वारा विद्यालय के प्राचार्य एवं जिला शिक्षा अधिकारी से प्रमाणीकरण उपरान्त नामांकन किये गये प्रत्येक विद्यालय में से दो से तीन विद्यार्थियों के आइडियाज/विचार के प्रोजेक्ट का सारांश पीडीएफ फार्मेट में संधारित कर ऑनलाइन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार www.inspireawards-dst.gov.in को भेजना सुनिश्चित किया जाए।

PDF @ApniStudy.in

सभी कॉलेज/यूनिवर्सिटी एवं स्कूल शिक्षा विभाग से संबंधित संपूर्ण जानकारी के लिए फॉलो करें !!

Apni Study

@apnistudy.in

@ApniStudy.in